Synergy

BSES
BSES Rajdhani Power Limited

...a joint venture with GONCTD

जनवरी – फरवरी 2010

सीईओ की कलम से

प्रिय उपभोक्ता,

बीआरपीएल की ओर से मैं आपको और आपके परिवार को उत्साह व उन्नति से भरे साल 2010 की शुभकामनाएं देता हूं। नए साल में हम चुनौतियों और बदलावों की एक नई यात्रा शुरू कर रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि हमसे आपकी जो उम्मीदें व आकांक्षाएं हैं, उन पर इन सबका सकारात्मक असर पड़ेगा।

2009 में दिल्ली और खासकर बीआरपीएल ने कई मील के पत्थर पार किए। सबसे पहले इस बात का जिक्र करना जरूरी होगा कि दिल्ली ने सर्वाधिक 4408 मेगावॉट बिजली की मांग को पूरा किया। यह अब तक की सर्वाधिक मांग थी। 2009 की गर्मियों में, बीआरपीएल में भी सर्वाधिक 1851 मेगावॉट बिजली की मांग दर्ज की गई। यह पिछले साल की मांग के मुकाबले 10 प्रतिशत अधिक था। 2008 की गर्मियों में बीआरपीएल में बिजली की मांग 1680 मेगावॉट दर्ज की गई थी।

इस साल बीआरपीएल में एटीएंडसी घाटे में भी रेकॉर्ड कमी आई और निजीकरण के वक्त जहां यह घाटा 51. 54 प्रतिशत था, वहीं इस 2009 में यह 20.9 प्रतिशत पर पहुंच गया। एटीएंडसी घाटे में इस दौरान 59 प्रतिशत से भी अधिक की कमी आई है। एटीएंडसी घाटे में कमी, सिस्टम में किया गया निवेश, लोन का भुगतान, और एमसीडी को किया गया ई टैक्स का भुगतान – इन सब को मिलाकर अगर देखा जाए, तो पिछले सात सालों में बीआरपीएल ने दिल्ली सरकार को 8540 करोड़ रूपये की बचत की। इससे जहां एक ओर दिल्ली सरकार के पास सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए अतिरिक्त फंड आए, वहीं एटीएंडसी लॉस कम होने से उपभोक्ताओं के लिए बिजली की कीमतें भी स्थिर रह पाईं।

आगे भी हम बेहतर परिणाम देते रहेंगे तथा अपने उपभोक्ता केंद्रित पहल में और सुधार लाएंगे। यही नहीं, उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे और सातों दिन बिजली उपलब्ध कराने के लिए हम और तत्परता से व दुगुना प्रयास करेंगे।

हम सप्लाई साइड मैनेमेंट पर खास ध्यान दे रहे हैं और साथ ही आउटेज मैंनेजमेंट सिस्टम व स्काडा इंटरफेस में और अधिक सुधार ला रहे हैं। उपभोक्ताओं को लगातार बेहतर सेवाएं देने के प्रयासों के अलावा, हम अपने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने और उनके मोटिवेशन व प्रशिक्षण पर भी खास ध्यान दे रहे हैं। हमारा प्रयास होगा कि उपभोक्ताओं/ शेयरधारकों के संतुष्टि स्तर को बढ़ाया जाए। हम अपनी ओर से कई ऐसी पहल व प्रयास कर रहे हैं, ताकि हमारे सिस्टम्स व प्रोसिजर्स में आपका विश्वास फिर से बहाल हो सके।

हम आपकी जरूरतों व चिंताओं को बेहतर तरीके से समझने को प्रतिबद्ध हैं, ताकि हम अपनी सेवाओं में लगातार सुधार ला सकें। आपसे मिल रहे फीडबैक और सहयोग से, मुझे विश्वास है कि सुधार और री–इंजीनियरिंग के प्रति हमारी ललक सेवाओं की गुणवत्ता को और बढ़ाएगी।

धन्यवाद

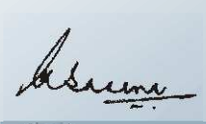

गोपाल के सक्सेना
सीईओ, बीआरपीएल

हम सुन रहे हैं ... डायल करें
बीआरपीएल – 39999707

ईएलसीबी – सुरक्षा व मन की शांति की एक छोटी सी कीमत

अब 5 किलोवॉट और उससे ऊपर के सभी उपभोक्ताओं के लिए अर्थ लीकेज प्रोटेक्टिव डिवाइस – ईएलसीबी – लगवाना अनिवार्य है।

ईएलसीबी एक सामान्य लेकिन उपयोगी उपकरण है जो उपभोक्ताओं को बिजली के झटकों और अर्थ लीकेज आदि की परेशानियों से बचाता है। यदि उपभोक्ता के यहां मामूली अर्थ लीकेज भी हो रहा है, तो उसका पता लग जाएगा और ईएलसीबी उपभोक्ता के घर या संबंधित उपकरण की बिजली अपने आप डिसकनेक्ट कर देगी, तथा इस तरह, बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाएगी।

यदि आपकी इंटरनल वायरिंग दोषपूर्ण है या वे आपस में मिक्स हो रही हैं, तो उसका पता भी ईएलसीबी लगा लेगी और इससे बिजली की संभावित बरबादी रूकेगी।

भारतीय बिजली नियम, 1956 की धारा 61 ए के तहत ईएलसीबी उन सभी उपभोक्ताओं के लिए अनिवार्य है, जिनके यहां बिजली का लोड 5 किलोवॉट या उससे अधिक है। 5 किलोवॉट या उससे अधिक के लोड वाले वर्तमान उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे बीआरपीएल द्वारा सूचित किए गए दो महीने के अंदर अपने यहां ईएलसीबी लगवा लें। यह आपकी सुरक्षा और मन की शांति की एक छोटी सी कीमत है।

द्वारका में नया ग्रिड

दिल्ली में लगातार हो रहे विकास के मद्देनजर अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरते हुए बीआरपीएल अपने इलाके का 71वां ग्रिड शुरू करने जा रही है। जनवरी 2010 में यह ग्रिड काम करना शुरू कर देगा। गौरतलब है कि बीआरपीएल का इलाका 740 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। 66/ 11 केवी का यह ग्रिड द्वारका के सेक्टर 12 में शुरू होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह तेजी से विकसित हो रहे इस इलाके का चौथा ग्रिड है। द्वारका इलाके के अन्य तीन ग्रिड हैं– जी–2 नसीरपुर, जी–5 सेक्टर पांच और जी–6 सेक्टर 9।

इस अत्याधुनिक और अगली पीढ़ी के ग्रिड की क्षमता है 20 x 20 एमवीए। इसे निकट भविष्य में और 20 एमवीए बढ़ा दिया जाएगा। इस ग्रिड पर करीब 14 करोड़ रूपये की लागत आई है। यह न सिर्फ द्वारका और आसपास के इलाकों में बिजली की स्थिति में सुधार लाएगा, बल्कि द्वारका में रह रहे और एनसीआर क्षेत्रों में काम कर रहे हजारों प्रफेशनल्स को चौबीसों घंटे व सातों दिन बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। यह ग्रिड सुनिश्चित करेगा कि कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 के दौरान सैकड़ों एथलीटों और आगंतुकों द्वारा लिए जाने वाले रास्ते पूरी तरह से जगमगाते रहें।

भागीदारी में बीआरपीएल को मिली वाहवाही

बीआरपीएल के प्रदर्शन पर दिल्लीवासियों ने पूरा भरोसा और संतुष्टि जताई है। दिल्ली सचिवालय द्वारा दक्षिण व दक्षिण–पश्चिम सर्कल्स के लिए 29 से 31 अक्टूबर तक आयोजित की गई भागीदारी बैठक में बीआरपीएल को, संतुष्टि के स्तर पर नंबर 1 सिविक एजेंसी करार दिया गया।

इस वर्कशॉप में शामिल अन्य सिविक एजेंसियों में प्रमुख थीं – एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड, परिवहन और दिल्ली पुलिस। 65 प्रतिभागियों ने बीआरपीएल के बारे में सकारात्मक फीडबैक दिए। सिर्फ 1. 69 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कंपनी के बारे में असंतुष्टि वाला फीडबैक दिया।